आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 148 | उज्जैन, सोमवार 21 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विज्ञान मंथन यात्रा के छात्र-छात्राओं से करेंगे संवाद

भावी वैज्ञानिक दिल्ली एवं चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित संस्थानों का करेंगे भ्रमण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की 17 वीं ÷विज्ञान मंथन यात्रा÷ के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिकों से सोमवार को संवाद करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में शाम 7 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा पर जाने वाले भावी वैज्ञानिको को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विज्ञान मंथन यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। इस अवसर पर वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों उपस्थिति रहेंगे।

17वीं विज्ञान मंथन यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। योजना में चयनित प्रतिभागियों को देश की प्रतिष्ठित प्रयोशालाओं और समर्पित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यात्रा उपरांत परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परीक्षा में सफल होने वाले प्रत्येक कक्षा के 20 चयनित विद्यार्थियों को 5 वर्षों तक 12 हजार रुपए प्रति वर्ष की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी। यात्रा के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं से 12वीं विज्ञान विषय में अध्यनरत पूरे प्रदेश के कुल 375 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। चयन प्रक्रिया में प्रदेश को 5 विभिन्न जोन (ईस्ट, वेस्ट, नार्थ, साउथ व सेंट्रल) में बांटकर प्रत्येक जोन से 75 प्रतिभागियों का चयन किया गया है।

परियोजना प्रभारी डॉ. विवेक कटारे के अनुसार इन प्रतिभागियों का चयन प्रदेश स्तर पर पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर किया गया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के 49 छात्राओं एवं 76 छात्रों, कक्षा 11वीं के 54 छात्राएं तथा 71 छात्रों और कक्षा 12वीं के 48 छात्राएं तथा 77 छात्रों का चयन किया गया है। इन छात्र-छात्राओं के उपयोगी मार्गदर्शन के लिये प्रदेश के विज्ञान विषय के 33 शिक्षकों का भी चयन किया गया है। सोमवार को प्रदेश भर से सभी चयनित विद्यार्थी प्रौद्योगिकी परिषद के नेहरू नगर स्थित मुख्यालय में प्रातः 9.00 बजे उपस्थित होंगे। इस वर्ष कुल चयनित 375 विद्यार्थियों को 02 पृथक समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें से एक ग्रुप चंडीगढ़ जायेगा और दूसरा समूहों दिल्ली स्थित संस्थानों का भ्रमण करेगा। दिल्ली जाने वाले समूहों के विद्यार्थी नेशनल साइंस सेन्टर, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ प्लांट जीनोमिक रिसर्च, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, राष्ट्रपति भवन और दिल्ली संस्थानों का भ्रमण करेंगे।

मतदाता सूची में अब नहीं होगी गड़बड़ी! चुनाव आयोग ने शुरू की नई पहल, सुधार के लिए बनाया ये प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव से जुड़ी छोटी- छोटी त्रुटियों को लेकर चुनाव आयोग अक्सर राजनीतिक दलों के निशाने पर रहता है। हालांकि अब चुनाव आयोग ने इन कमियों को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान अक्सर होने वाली इन त्रुटियों का पहचान की, जिसमें अधिकांश बूथ लेवल पर गठित होने वाली हैं। यह चाहे मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया हो या फिर मतदान के दौरान ईवीएम के रखरखाव, उनके लाने - ले जाने या फिर मॉक पोल, मतदान प्रतिशत आदि से जुड़ी हुई समस्याएं हो सकती हैं। यही वजह है कि आयोग ने इस अभियान की शुरूआत भी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के प्रशिक्षण से शुरू की है। चुनाव आयोग की मानें तो चुनाव से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रियाओं को लेकर एक तय नियम हैं। चुनाव में दौरान इनमें तभी कोई गड़बड़ी होती है जब इनमें से किसी स्टेप का ठीक तरीके से पालन नहीं किया जाता है। आयोग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक चुनाव के दौरान होने वाले अधिकांश ऐसी छोटी-छोटी त्रुटियां हैं, जिन्हें कोई भी जानबूझ कर नहीं करता था बल्कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।

मणिपुर में पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित संगठनों से ताल्लुक; 48 घंटे में कसा शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद भी हालात पूरी तरह से सामान्य नहीं हुए हैं। बीते 48 घंटे में इंफाल घाटी से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह सभी लोग प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य हैं, जिनकी गिरफ्तारी मणिपुर के अलग-अलग जिलों से हुई है।

शनिवार को इंफाल पूर्व जिले के नोंगडम गांव से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के 2 सदस्यों को हिरासत में लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार यह दोनों आरोपी जबरन वसूली में शामिल थे।

शुक्रवार से शुरू हुई गिरफ्तारी - इससे पहले शुक्रवार को पुलिस ने विष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग वार्ड नंबर 13 से भी एक शख्स को गिरफ्तार किया था। इसका संबंध कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी-तैबंगानबा)से बताया जा रहा है।

इंफाल घाटी में पकड़े गए आरोपी- इसके बाद शुक्रवार को ही इंफाल पश्चिम जिले के सलाम ममंग लाइकाई इलाके से भी केसीपी (एमएफएल) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। यह दोनों आरोपी भी जबरन वसूली के मामले में शामिल थे।

190000000 रुपये कैश और 4 करोड़ के सोने के साथ भारतीय तस्कर जांबिया में गिरफ्तार, दुबई जाने की थी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीकी देश जांबिया में एक भारतीय तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास 19 करोड़ से ज्यादा कैश और 4 करोड़ से अधिक का सोना बरामद हुआ है। आरोपी शख्स यह सारा सामान अपने सूटकेस में भरकर दुबई जाने की तैयारी कर रहा था। जांबिया एयरपोर्ट पर पुलिस ने उसे धर लिया।

यह घटना जांबिया के लुसाका स्थित कैनेथ कौंडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की है। 27 साल का युवक दुबई की फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान पुलिस को उस पर शक हुआ। जांबिया के ड्रग प्रवर्तन आयोग (डीईसी) ने जांच के दौरान सूटकेस चेक किया तो सभी के होश उड़ गए। आरोपी शख्स ने अपने बैग में ढेर सारी नोटों की गड्डियां और सोने की ईंटें छिपा रखी थीं। इस दौरान पुलिस को 2.32 मिलियन डॉलर (19 करोड़ रुपए) और 5 लाख डॉलर (4 करोड़ रुपए) के सोने की 7 ईंटें मिली हैं। शख्स ने कैश को रबड़ से बांधकर बैग में रखा था। सोने की ईंटें भी ऐसे ही बैग में पड़ी थीं।

पुलिस ने क्या कहा- डीईसी का कहना है कि इस अपराध में कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी शामिल हो सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि जांबिया में सोने और कॉपर बड़ी संख्या में मौजूद है। इसके बावजूद देश की 60 प्रतिशत आबादी गरीबी से जूझ रही है। यही वजह है कि यहां सोना तस्करी अक्सर देखने को मिलती है। यह पहली बार नहीं है कि जांबिया से कोई ऐसा मामला सामने आया है। 2023 में मिस्त्र के 5 नागरिकों को 127 किलोग्राम सोना और करोड़ों रुपयों के साथ पकड़ा गया था।

खरगे का आरोप- केंद्र ने जानबूझकर उठाया वक्फ बाय यूजर का मुद्दा, बोले- लोगों को गुमराह कर रही भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए बिंदुओं को महत्व दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने ऐसी संपत्तियों पर विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर वक्फ बाय यूजर का मुद्दा उठाया है।

हमारी लड़ाई कमजोर नहीं हुई खरगे- उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी अपने नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई से नहीं घबराएगी और वह इस अधिनियम पर भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई जीतेगी। लोकसभा चुनाव से पहले हमारे खाते बंद कर दिए गए थे, फिर भी जनता ने संसद में हमारी ताकत दोगुनी कर दी। हमारी लड़ाई कमजोर नहीं हुई और अभी खत्म भी नहीं हुई है।

बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी संविधान बचाओ अभियान शुरू करने की घोषणा- कांग्रेस ने शनिवार को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी संविधान बचाओ अभियान शुरू करने की घोषणा की। यह अभियान चार चरणों में चलाया जाएगा - 25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तरीय रैलियां, तीन से 10 मई तक जिला स्तरीय लामबंदी, 11 से 17 मई तक विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अभियान, तथा 20 से 30 मई तक घर-घर जाकर जागरूकता अभियान, ताकि संवैधानिक मुद्दों पर नागरिकों से सीधे संपर्क किया जा सके।

जनेऊ नहीं हटाने पर छात्र को परीक्षा देने से रोका, अब साई कॉलेज के प्रिंसिपल और स्टाफ पर गिरी गाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक छात्र को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले उसे जनेऊ (पवित्र धागा) उतारने के लिए कहा गया था। छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी ने आरोप लगाया था कि वह बीदर के साई स्फूर्ति पीयू कॉलेज में 17 अप्रैल को कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की परीक्षा देने गया था, तभी उससे जनाऊ हटाने की मांग की गई थी। छात्र ने बताया कि, परीक्षा केंद्र में मौजूद स्टाफ ने कहा कि अगर वो जनेऊ नहीं हटाता है, तो उसे परीक्षा देने नहीं दिया जाएगा। छात्र ने धार्मिक प्रतीक बताते हुए जनेऊ हटाने से इनकार कर दिया था।

अब और टैरिफ नहीं सहेगा भारत! अमेरिकी उपराष्ट्रपति के सामने पीएम मोदी उठाएंगे मुद्दा; क्यों अहम है ये बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा शुल्क विवाद को लेकर अगले हफ्ते तीन स्तरों पर बातचीत होने जा रही है। सबसे पहले सोमवार को पीएम नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वांस के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक में यह मुद्दा उठेगा। उसके बाद वाशिंगटन में दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रालयों के बीच द्विपक्षीय कारोबारी समझौते (बीटीए) पर बात होगी। जबकि अगले साप्ताहांत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिका की ट्रेजरी सेक्रटरी (वित्त मंत्री के समकक्ष) स्काट बेसेंट के बीच होने वाली बैठक में भी भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी संबंधों पर विमर्श होगा।

पीएम मोदी से साथ होगी वार्ता

माना जा रहा है कि इन तीनों बैठकों से दोनों देशों के बीच कारोबार व निवेश से जुड़े संबंधों को लेकर जो अनिश्चितता बनी है, उसे दूर करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति वांस सोमवार (21 अप्रैल) को नई दिल्ली पहुंचेंगे और उसी दिन शाम को उनकी पीएम मोदी के साथ आधिकारिक वार्ता होगी। फरवरी, 2025 में जब पीएम मोदी ने वाशिंगटन दौरे में उनसे मुलाकात की थी तब जेडी वांस ने ही भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों को पूरा सहयोग देने की बात कही थी।

विश्व बैंक की बैठकों में हिस्सा लेगी वित्त मंत्री- वित्त मंत्री सीतारमण 20 अप्रैल को अमेरिका और पेरू की यात्रा पर जा रही हैं। अमेरिका में वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह जी-20 के तहत वित्त मंत्रियों की एक अलग बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इस दौरान उनकी अमेरिका के वित्त सचिव बेसेंट से द्विपक्षीय बैठक होगी। अमेरिका के बाद वह पेरू जाएंगी, जहां भारत-पेरू बिजनेस फोरम की बैठक की अध्यक्षता करेंगी।

अमेरिका के वित्त सचिव से उनकी होने वाली वार्ता में टैरिफ से जुड़े मुद्दों के अलावा द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाकर 500 अरब डालर करने के एजेंडे पर भी बात होगी। वित्त मंत्री ने वर्ष 2025-26 के बजट में कई अमेरिकी उत्पादों पर शुल्कों में कटौती की थी। हालांकि इसके बावजूद अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 27 फीसद का आयात शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया था। अभी इस पर 90 दिनों की रोक लगाई हुई है।

गूगल को एंटीट्रस्ट केस में मिली हार, क्या बेचना पड़ेगा Ad मैनेजर? कर्मचारियों को जारी किया खास संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में गूगल एक बड़ा केस हार गई है, जो मोनोपोली से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही कंपनी इसी तरह के एक और मामले का सामना कर रही है, जिसका ट्रायल इस महीने के अंत तक शुरू हो सकता है। इतना ही नहीं गूगल को जापान के फेयर ट्रेड कमीशन की ओर से एक एंटीट्रस्ट सीज ऑर्डर भी मिला है।

इन सब चीजों को लेकर अपने कर्मचारियों की चिंताओं को देखते हुए कंपनी ने एक मेमो अपने कर्मचारियों को भेजा है, जिसमें कंपनी ने कर्मचारियों से काम पर ध्यान केंद्रीत करने और इस निर्णय के बारे में ज्यादा नहीं सोचने का आग्रह किया है।

बता दें, बिते गुरुवार को फेडरल जज ने अपने फैसले में कहा था कि गूगल ने एंटीट्रस्ट का उल्लंघन किया है और ऑनलाइन टेक इंडस्ट्री में अवैध तरीके से मोनोपोली बनाई है। 2023 में गूगल ने विज्ञापनों के जरिए 237.9 अरब डॉलर कमाए थे। ये रकम माइक्रोसॉफ्ट और क्क्षुद्भस्त्रह्व से कहीं ज्यादा है, जो गूगल के मुख्य कंपिटिशन हैं।

इस मामले को लेकर गूगल के खिलाफ केस किया गया था। ऐसा सिर्फ गूगल के साथ ही नहीं, अन्य टेक प्लेटफॉर्म्स को भी ऐसे मामलों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या गूगल को बेचना पड़ेगा अपना कारोबार- कोर्ट के इस फैसले के बाद अमेरिकी डिपार्टमेंट गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट पर गूगल एड मैनेजर को बेचने का दबाव बना सकती है। डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस पहले भी ऐसे एक्शन के संकेत दे चुका है। हालांकि, इस मामले पर गूगल ने कहा है कि हम आधा केस जीत चुके हैं और आधे के लिए हम अपील करेंगे। कर्मचारियों को दिया गया खास संदेश

कर्मचारियों को दिए अपने संदेश में गूगल रेगुलेटर अफेयर्स के वॉयस प्रेसिडेंट ली-एनी मुलबोलैंड ने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी ने आधा मामला जीत लिया है। कोर्ट ने पाया है कि हमारे एडवरटाइजर टूल्स और डबल क्लिक जैसे हमारे अधिग्रहण से कंपिटिशन को कोई नुकसान नहीं है।

कनाडा में खालिस्तानियों का उपद्रव, गुरुद्वारे में तोड़फोड़ के बाद दीवार पर लिखा खालिस्तान जिंदाबाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर में एक प्रमुख गुरुद्वारे में रातभर खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथियों ने तोड़फोड़ की, जिससे स्थानीय सिख समुदाय में आक्रोश फैल गया। यह घटना खालसा दीवान सोसाइटी (केडीएस) गुरुद्वारे में हुई, जिसे आमतौर पर रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारा के रूप में जाना जाता है।

गुरुद्वारा प्रशासन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर तस्वीरें साझा कीं, जिसमें मंदिर के पार्किंग स्थल के आसपास की दीवार पर कई स्थानों पर खालिस्तान शब्द स्प्रे-पेंट किया गया था। कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वैंकूवर पुलिस विभाग वर्तमान में घटना की जांच कर रहा है।

गुरुद्वारा प्रशासन ने की निंदा- एक बयान में, केडीएस ने इस कृत्य की निंदा की, इसे समुदाय के भीतर भय और विभाजन फैलाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। गुरुद्वारा कमेटी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि खालिस्तान की वकालत करने वाले सिख अलगाववादियों के एक छोटे समूह ने खालिस्तान जिंदाबाद जैसे विभाजनकारी नारों के साथ हमारी पवित्र दीवारों को खराब कर दिया।

केडीएस ने पिछले सप्ताहांत वैंकूवर में अपनी वैसाखी परेड आयोजित की थी और खालिस्तान समर्थक समूहों को इस कार्यक्रम में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया था। इस बीच, केडीएस गुरुद्वारा प्रवक्ता जग संघेरा ने सीटीवी न्यूज को बताया कि तोड़फोड़ व्यापक थी। 1906 में स्थापित, रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारा कनाडा में सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण सिख संस्थानों में से एक है।

शादी से चंद दिन पहले गाजा की पत्रकार की एयरस्ट्राइक में मौत, अंतिम इच्छा बनी ब्रेकिंग न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में युद्ध के दौरान डेढ़ सालों में अपने कैमरे से युद्ध के हर एक मंजर को दिखाने वाली 25 वर्षीय फोटो पत्रकार फातिमा हसौना की हवाई हमले में मौत हो गई। इस हमले में फातिमा के साथ-साथ उनके 10 रिश्तेदारों की भी मौत हुई है। गाजा में लगातार खतरों के बावजूद फातिमा ने अपने कैमरे में वो सबकुछ रिकॉर्ड किया जो वहां हो रहा था और दुनिया को गाजी की कहानी बताने के लिए प्रतिबद्ध रहीं। फातिमा जानती थीं कि मौत हमेशा करीब है, फिर भी वह गाजा की तस्वीरों के दुनिया के सामने लाने से पीछे नहीं हटीं। फातिमा ने एक बार सोशल मीडिया पर लिखा था, ÷अगर मैं मरती हूं, तो मुझे एक जोरदार मौत चाहिए। मैं सिर्फ ब्रेकिंग न्यूज या किसी समूह में शामिल एक नंबर बनकर नहीं रहना चाहती हूं। मैं एक ऐसी मौत चाहती हूं जिसे दुनिया सुन सके, एक ऐसा प्रभाव जो समय के साथ बना रहे और एक ऐसी छवी जो समय या स्थान के साथ दफन न हो सके।÷

उन्होंने तो सिर्फ ऐसी इच्छा जताई थी, लेकिन उनकी इस इच्छा का एक बेहद दर्दनाक रूप तब दिखाई दिया जब उत्तरी गाजा में उनके घर पर इजरायली हवाई हमला हुआ। कुछ ही दिनों में फातिमा की शादी भी होने वाली थी।

ओवल ऑफिस में ट्रंप को अचानक क्यों रोकनी पड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस? बोले– सारे बाहर निकलो

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकेयर एवं मेडिकेड सेवा केंद्र (सीएमएस) के प्रशासक के रूप में डॉ. मेहमत ओज के शपथ ग्रहण के बाद आयोजित व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग शुक्रवार को एक बच्ची से संबंधित मेडिकल इमरजेंसी के कारण अचानक बीच में ही रोक दी गई। यह घटना ओवल ऑफिस में ओज के शपथ ग्रहण के कुछ ही समय बाद हुई। जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे, तो व्हाइट हाउस के कर्मचारियों ने इसे बीच में ही रोक दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सभी लोग अभी बाहर निकलें। इससे कमरे में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। बेहोश होने वाली बच्ची की पहचान मेहमत ओज की 11 वर्षीय पोती फिलोमेना के रूप में हुई है। ट्रंप बच्ची का हाल लेने के लिए उसके पास गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ओवल ऑफिस में डॉ. ओज के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान परिवार का एक छोटा सदस्य बेहोश हो गया। हमें यह कहते हुए खुशी हो रही है कि वह ठीक है। ओज को राबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने शपथ दिलाई।

पाकिस्तान में हिंदू नेता पर हुआ अटैक, शहबाज सरकार के मंत्री पर क्यों हुआ हमला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक हिंदू राज्य मंत्री पर सिंध में प्रदर्शनकारियों ने हमला किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अगुवाई वाली सरकार में धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, शनिवार को सिंध के थट्टा जिले से गुजर रहे थे, तभी उनके काफिले पर टमाटर और आलू फेंके गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में कोहिस्तानी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

कोहिस्तानी पर क्यों हुआ हमला- प्रदर्शनकारी, संघीय सरकार की विवादास्पद सिंचाई नहर परियोजनाओं का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का तर्क था कि इससे दक्षिणी प्रांत में सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण नदियों का बहाव कम हो जाएगा।

प्रधानमंत्री शहबाज ने कोहिस्तानी पर हमले की कड़ी निंदा की और उन्हें घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, जन प्रतिनिधियों पर हमला अस्वीकार्य है। घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी।

संघीय सूचना मंत्री ने मामले पर लिया संज्ञान- कोहिस्तानी सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सदस्य हैं और प्रदर्शनकारियों ने पार्टी की संघीय सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। संघीय सूचना मंत्री अत्ता तरार ने भी घटना का संज्ञान लिया। उन्होंने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) गुलाम नबी मेमन से घटना का विवरण और संघीय आंतरिक सचिव से रिपोर्ट भी मांगी। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने भी इस कृत्य की कड़ी निंदा की। अपने बयान में उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग ने पकड़ा जोर, प्रधानमंत्री आवास के सामने सैकड़ों संख्या में जुटे समर्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास और संसद भवन के पास एक विरोध रैली निकाली। इसमें राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने की मांग की गई।

रविवार को बिजुलीबाजार-बानेश्वर इलाके में एकत्र हुए लगभग 1,500 प्रदर्शनकारियों ने गणतंत्र प्रणाली मुर्दाबाद, हमें राजशाही वापस चाहिए, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद, नेपाल को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित करो जैसे नारे लगाए।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष ने किया नेतृत्व- प्रदर्शन का नेतृत्व राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेंद्र, वरिष्ठ नेता पशुपति शमशेर राणा और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ध्रुब बहादुर प्रधान सहित अन्य लोगों ने किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे सरकार के आदेश की अवहेलना करेंगे और प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करेंगे।

इस घोषणा के बाद काठमांडू के संवेदनशील क्षेत्रों, नया बानेश्वर, बिजुलीगाजर, मैतीघर, भद्रकाली और बालूवतार में हजारों दंगा रोधी पुलिस को तैनात किया गया। राजशाही समर्थक काठमांडू में तीन जगहों पर प्रदर्शन कर रहे थे, जहां उनका लक्ष्य पुलिस की ओर से बनाए गए सुरक्षा घेरा को तोड़कर प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करना था।

सैकड़ों आंदोलनकारी भद्रकाली में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जहां प्रधानमंत्री कार्यालय सहित सरकारी सचिवालय भवन स्थित है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय मामले में ट्रंप प्रशासन ने लिया यू-टर्न, कहा- गलती से भेजा था पत्र; मतभेद भी आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले शुक्रवार यानी 11 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को एक पत्र भेजा था। इसमें प्रवेश और पाठ्यक्रम के अलावा विश्वविद्यालय की फंडिंग को रोकने का उल्लेख था। विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन के बीच ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला लिया था। मगर एक हफ्ते बाद ही ट्रंप प्रशासन ने माना किया हार्वर्ड विश्वविद्यालय को गलती से अनधिकृत पत्र भेजा गया था।

सीन केवेनी ने भेजा था पत्र- ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने हार्वर्ड से संपर्क किया और बताया कि यहूदी विरोध पर व्हाइट हाउस के टास्क फोर्स से मिलने वाला पत्र नहीं भेजा जाना चाहिए था। दो अन्य अधिकारियों ने बताया कि यह अनधिकृत था। तीन अन्य लोगों ने बताया कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय को यह पत्र स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के कार्यकारी महाधिवक्ता सीन केवेनी ने भेजा था। वे यहूदी विरोधी कार्य बल के सदस्य भी हैं।

पत्र पर कायम है प्रशासन- व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रशासन पत्र पर कायम है। उन्होंने बातचीत न करने पर हार्वर्ड को दोषी ठहराया। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ नीति रणनीतिकार मे मेलमैन ने कहा, ÷हार्वर्ड के वकीलों ने गलत व्यवहार किया। उन्होंने फोन नहीं उठाया और यहूदी विरोधी टास्क फोर्स के सदस्यों से बात नहीं की। अब हार्वर्ड खुद को पीड़ित दिखाने का अभियान चला रहा है।

समय से पहले भेजा गया पत्र - न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक पत्र भेजने के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं तीन लोगों ने पुष्टि की है कि पत्र की सामग्री प्रामाणिक थी।

निशिकांत दुबे पर भड़कीं शमा मोहम्मद, CJI से की एक्शन की मांग; बीजेपी से कहा- बाहर निकालो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर सियासी संग्राम छिड़ गया है। खुद बीजेपी ने इस बयान से किनारा कर लिया है, तो वहीं विपक्ष उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसी कड़ी कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद का बयान भी सामने आया है। उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश से निशिकांत दुबे पर एक्शन लेने की बात कही है।

शमा मोहम्मद का कहना है कि अगर निशिकांत दुबे पर कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में भी न्यायपालिका पर ऐसे हमले होते रहेंगे। साथ ही उन्होंने निशिकांत दुबे को बीजेपी से बाहर करने की मांग की है।

शमा मोहम्मद ने उठाए सवाल- समाचार एजेंसी ANI से बातचीत के दौरान शमा ने कहा कि निशिकांत दुबे का मानना है कि देश में जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। न्यायपालिका धर्मिक मुद्दों को हवा दे रही है। आज मैं संजीव खन्ना जी से पूछना चाहूंगी कि न्यायालय की अवमानना के लिए वो निशिकांत दुब के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे?

CJI से की एक्शन की मांग- शमा मोहम्मद ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी अक्सर कह चुके हैं कि संविधान खतरे में है। निशिकांत के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। अगर आज आपने एक्शन नहीं लिया तो कल अन्य लोग भी न्यायपालिका पर सवाल खड़े करने लगेंगे। बीजेपी को भी चाहिए कि निशिकांत दुबे को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

क्या है पूरा मामला- बता दें कि निशिकांत दुबे ने बीते दिन सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर सवाल खड़े करते हुए मुख्य न्यायाधीश को कठघरे में खड़ा किया था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कानून बनाता है तो संसद का क्या काम है। संसद को बंद कर देना चाहिए। निशिकांत दुबे का यह बयान विवादों में घिर गया है।

घर के अहाते में आया पड़ोसी का कुत्ता तो 69 साल के बुजुर्ग ने कर दी 42 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के त्रिशूर जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां घर के अहाते में कुत्ता आ जाने पर एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपित को हिरासत में लिया है। अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वेल्लीकुलंगरा का है मामला- पुलिस ने रविवार को बताया कि त्रिशूर जिले के वेल्लीकुलंगरा के पास 42 वर्षीय व्यक्ति की उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक का कुत्ता आरोपित के अहाते में चला गया था। इससे खफा होकर उसने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

पहले भी हो चुका था विवाद- मृतक की पहचान शिजो के तौर पर हुई है। वहीं आरोपित की पहचान 69 वर्षीय जोसेफ के रूप में हुई है। दोनों पड़ोसी थे। मगर दोनों के बीच कुत्ते को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। आरोपित को आपत्ति थी कि शिजो का कुत्ता उसके घर के अहाते में आ जाता था।

पूछताछ में जुटी पुलिस - पुलिस के मुताबिक घटना शनिवार रात की है। हत्या से पहले दोनों के बीच बहस हुई। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई।

पत्नी की हत्या कर कटा सिर लेकर थाने पहुंचा पति, हैरान रह गए पुलिसवाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी का कथित तौर पर सिर काट दिया और कटा हुआ सिर लेकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह घटना कल रात चिरांग जिले में हुई।

आरोपी ने पुलिस थाने जाकर किया आत्मसमर्पण- बितीश हाजोंग ने अपनी पत्नी बैजंती का सिर काटने के लिए धारदार हथियार का इस्तेमाल किया और कटे हुए सिर को अपनी साइकिल पर स्टोरेज बास्केट में रखकर ले गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद वह बल्लामगुरी चौकी पहुंचा और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस स्टेशन से ली गई तस्वीरों में साइकिल पर खून के धब्बे और हिरासत में आरोपी दिखाई दे रहे हैं।

पड़ोसी ने दंपती को लेकर क्या कहा- रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी चिरांग जिले के उत्तर बल्लामगुरी का एक दिहाड़ी मजदूर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने अपने और पत्नी के बीच घरेलू विवाद के चलते उसकी हत्या कर दी। एक पड़ोसी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात को बितीश हाजोंग के काम से घर लौटने के बाद हुई। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी दोनों छोटी-छोटी बातों पर हर दिन झगड़ते थे।

ममता से नहीं संभल रहा बंगाल..., मिथुन के बाद दिलीप घोष ने उठाई राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद से ममता सरकार लगातार सवालों के कठघरे में है। बीजेपी नेता दिलीप घोष ने भी ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में ममता बनर्जी सबसे खराब सीएम हैं। ममता के नेतृत्व में राज्य को कई मुसीबतें उठानी पड़ी हैं। साथ ही उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती के बयान का भी समर्थन किया है। दिलीप घोष का कहना है कि वो पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली मिथुन चक्रवर्ती की बात से पूरी तरह सहमत हैं। राज्य में कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। ऐसे में जनता की सुरक्षा के लिए सेना तैनात करने की सख्त जरूरत है।

ममता पर बोला हमला- सामाचर एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान दिलीप घोष ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में ऐसे ही हिंसा होती रही तो वो दिन दूर नहीं जब राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाएगा। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए कई लोग यह महसूस कर रहे हैं कि ममता बंगाल को संभालने में विफल हो गई हैं।

राष्ट्रपति शासन पर तोड़ी चुप्पी- दिलीप घोष के अनुसार राष्ट्रपति शासन के बिना न सिर्फ लोगों की जमीन खतरे में है बल्कि उनकी जान का संकट भी बढ़ता जा रहा है। ममता के राज में बंगाल में कुछ नहीं बदलेगा। ममता बनर्जी अपने गुंडों और हथियारों के दम पर चुनाव जीतना चाहती हैं। उनका यह रवैया भविष्य में बेहद खतरनाक साबित होगा।

ममता पर साधा निशाना- दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी किसी भी घटना की जिम्मेदारी नहीं लेती हैं बल्कि इनके लिए दूसरों को दोषी ठहरा देती हैं। उन्होंने कहा कि वो कोई काम नहीं करती हैं। उनसे कुछ संभलता नहीं है। जब परिस्थितियां बिगड़ने लगती हैं तो वो दूसरों को दोष देना शुरू कर देती हैं। वो अब तक की सबसे अयोग्य मुख्यमंत्री हैं। उनके कार्यकाल में राज्य ने काफी कुछ झेला है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर खड़े प्लेन से टकराई मिनी बस, हादसे से स्टाफ में मची खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु एयरपोर्ट एक प्लेन और मिनी बस की टक्कर हो गई है। यह प्लेन इंडिगो एयरलाइंस का था, जो रनवे पर खड़ा था। तभी एक मिनी बस ने प्लेन को टक्कर मार दी और बस का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह से डैमेज हो गया। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

टल गया बड़ा हादसा- यह हादसा बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। रविवार की सुबह मिनी बस इंडिगो के विमान में जाकर भिड़ गई। बस ने विमान के अगले हिस्से को टक्कर मारी। हालांकि विमान ऑपरेशनल नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई है और न ही किसी के घायल होने की खबर है।

कैसे हुआ हादसा- आज यानी 18 अप्रैल 2025 की दोपहर तकरीबन 12:15 बजे का है। रिपोर्ट्स के अनुसार मिनी बस किसी थर्ड पार्टी एजेंसी की थी। इंडिगो का एयरक्राफ्ट पार्किंग में खड़ा था और मिनी बस वहीं से गुजर रही थी। अचानक मिनी का संतुलन बिगड़ा और बस ने प्लेन के अंडरकैरेज (निचले हिस्से) को टक्कर मार दी।

एयरपोर्ट प्रशासन ने क्या कहा- बेंगलुरु एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि हादसे की जानकारी मिलते ही सभी अलर्ट हो गए। सभी जरूरी प्रोटोकॉल फॉलो किए जा रहे हैं। यात्रियों, एयरलाइंस स्टाफ और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

इंडिगो एयरलाइंस ने तोड़ी चुप्पी- इंडिगो एयरलाइंस ने हादसे पर बात करते हुए कहा कि हमने इस पर नजर बना रखी है। बेंगलुरु एयरपोर्ट की पार्किंग में खड़े इंडिगो एयरक्राफ्ट को एक थर्ड पार्टी वाहन ने टक्कर मार दी। मामले की जांच की जा रही है। इस पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

जेपी नड्डा ने साफ कर दिया है..., निशिकांत दुबे के विवादित बयान पर क्या बोले केरल बीजेपी प्रमुख राजीव चंद्रशेखर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणी से पार्टी ने पल्ला झाड़ लिया है। बीजेपी ने का कहना है कि निशिकांत दुबे के बयान से पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। वहीं अब केरल में बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

राजीव चंद्रशेखर के अनुसार बीजेपी पहले ही इस मुद्दे पर अपना पक्ष रख चुकी है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने साफ कर दिया है कि निशिकांत दुबे के बयान निजी है और पार्टी का इससे कोई वास्ता नहीं है। मैं भी पार्टी के फैसले से पूरी तरह सहमत हूं।

राजीव चंद्रशेखर का बयान- समाचार एजेंसी ANI से बातचीत के दौरान राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के बारे में जो कुछ भी कहा था, बीजेपी ने उसको पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इस मामले पर पार्टी का पक्ष ही मेरा पक्ष है।

जेपी नड्डा ने किया था ट्वीट- बता दें कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाडूदेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है।

निशिकांत दुबे का बयान- ANI से बातचीत के दौरान बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर धार्मिक लड़ाई को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट की कानून बनाएगा तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अष्टमी

संपादकीय

यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका...

यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानें, सिविल सेवा परीक्षा में उम्मीदवारों को सफल होने में मदद करने के लिए संरचित शिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रमुख संसाधनों की पेशकश करें।

यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की भूमिका- यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) परीक्षा भारत में इच्छुक सिविल सेवकों के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। व्यापक पाठ्यक्रम, विस्तृत परीक्षा पैटर्न और उच्च प्रतियोगिता उम्मीदवारों के लिए सफल होने के लिए एक रणनीतिक और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक बनाती है। यह वह जगह है जहां यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। कोचिंग संस्थान मार्गदर्शन, संरचित योजनाओं और संसाधनों की पेशकश करते हैं जो परीक्षा की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस सूचनात्मक गाइड में, हम यूपीएससी कोचिंग के लाभों का अवलोकन करेंगे, समझेंगे कि आईएएस के लिए कोचिंग की क्या भूमिका है, और बहुचर्चित प्रश्न पर चर्चा करेंगे, क्या यूपीएससी की तैयारी के लिए कोचिंग आवश्यक है?

यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की भूमिका यूपीएससी उम्मीदवारों की तैयारी को आकार देने में कोचिंग संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संस्थान उम्मीदवारों के कच्चे ज्ञान के बीच व्यवस्थित दृष्टिकोण के लिए एक पुल के रूप में काम करते हैं जो जटिल यूपीएससी पाठ्यक्रम से निपटने के लिए आवश्यक है। ये संस्थान वर्तमान मामलों के अपडेट से लेकर परीक्षा रणनीतियों तक एक समग्र ढांचा प्रदान करते हैं, जो उम्मीदवारों को व्यापक सामग्री के माध्यम से नेविगेट करने में मदद करता है।

यूपीएससी ऑनलाइन कोर्स के लिए अभी दाखिला लें- यूपीएससी की तैयारी में कोचिंग संस्थानों की भूमिका को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

संरचित शिक्षण दृष्टिकोण- यूपीएससी कोचिंग संस्थान एक संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जो विशेष रूप से पाठ्यक्रम के हर पहलू को कवर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हर उम्मीदवार को ट्रैक पर रहने में मदद करता है, जिससे उन्हें अनावश्यक विषयों पर समय बर्बाद करने से रोका जा सके। विशेषज्ञ मार्गदर्शन- अनुभवी संकाय तक पहुंच के साथ, जिन्हें परीक्षा की आवश्यकताओं की पूरी समझ है। ये अनुभवी संकाय मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, टिप्स साझा करते हैं, और छात्रों को प्रभावी ढंग से उत्तर लिखने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन करते हैं, जो मुख्य परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित मूल्यांकन- नियमित परीक्षण, मॉक परीक्षा और संस्थानों में आयोजित अभ्यास सत्र उम्मीदवारों को उनकी प्रगति का आकलन करने में मदद करते हैं। ये आकलन न केवल ज्ञान का परीक्षण करते हैं बल्कि समय प्रबंधन कौशल को भी बढ़ाते हैं, जो वास्तविक परीक्षा के दौरान आवश्यक हैं। अध्ययन सामग्री- कई कोचिंग सेंटर संक्षिप्त और अद्यतित अध्ययन सामग्री प्रदान करते हैं। ये नोट्स और किताबें व्यापक शोध के बाद तैयार की जाती हैं और परीक्षा के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए क्यूरेट की जाती हैं। पीयर लर्निंग- एक कोचिंग संस्थान में पर्यावरण अक्सर स्वस्थ प्रतियोगिता और सहकर्मी सीखने को बढ़ावा देता है। साथी उम्मीदवारों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा करने से संदेह को स्पष्ट करने, ज्ञान बनाने और विभिन्न दृष्टिकोणों को प्राप्त करने में मदद मिलती है। वैकल्पिक विषयों पर मार्गदर्शन- एक वैकल्पिक विषय चुनना प्रत्येक यूपीएससी आकांक्षी के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है। कोचिंग संस्थान वैकल्पिक विषयों के चयन और तैयारी में विस्तृत और एक-से-एक मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं, जो सफलता में एक निर्णायक कारक हो सकता है। यूपीएससी की तैयारी के लिए कोचिंग की आवश्यकता यूपीएससी के उम्मीदवारों के बीच लगातार सवाल है, ÷क्या यूपीएससी क्रैक करने के लिए कोचिंग जरूरी है इस प्रश्न का उत्तर एक सरल हां या नहीं नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से और काफी हद तक एक व्यक्ति की सीखने की शैली, अनुशासन और संसाधनों पर निर्भर करता है।

सिविल सेवा दिवस

सिविल सेवा दिवस / लोक सेवा दिवस 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इसे भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा सहित सभी सिविल सेवाओं की उत्कृष्टता के लिए द्वारा मनाया जाता है। भारत सरकार प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को लोकसेवा दिवस के रूप में मनाती है। इस दिन अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को उनकी सर्वश्रेष्ठ सेवा के लिए पुरस्कृत किया जाता है। यह पुरस्कार उन्हें नागरिकों को उत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए दिया जाता है। इससे अधिकारियों में बेहतर प्रदर्शन की भावना तो आती ही है साथ ही बदलते समय एवं नई चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें अपनी नीतियों पर मनन करने का अवसर भी मिलता है।

उद्देश्य- इस दिवस का उद्देश्य भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा के सदस्यों द्वारा अपने आप को नागरिकों के लिए एक बार पुनः समर्पित और फिर से वचनबद्ध करना है। यह दिन सिविल सेवकों को बदलते समय के चुनौतियों के साथ भविष्य के बारे में आत्मनिरीक्षण और सोचने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर, केन्द्रीय और राज्य सरकारों के सभी अधिकारियों को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया जाता है।

प्रधानमंत्री पुरस्कार- लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रस्तुत किया जाता है। सम्मान/पुरस्कारों की इस योजना का गठन 2006 में किया गया, इस योजना के तहत, व्यक्तिगत रूप से या ग्रुप के रूप में या संगठन के रूप में सभी अधिकारी इसके पात्र हैं। पुरस्कार में एक पदक, स्क्रॉल और रू 1 लाख की नकद राशि भी शामिल है। एक ग्रुप के मामले में कुल पुरस्कार राशि 5 लाख रुपए है, प्रति व्यक्ति अधिकतम 1 लाख रूपए का भागीदार होता है। किसी संगठन के लिए नकद राशि 5 रु लाख तक सीमित है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा- भारतीय प्रशासनिक सेवा वह प्रशासकीय सेवा है जिसे ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत में अपना प्रशासन चलाने के लिए चालू किया था। पहले इसका नाम कम्पनी राज की सिविल सर्विस था, बाद में इसका नाम बदलकर भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) रखा गया। इसका आरम्भ अत्यन्त छोटे रूप में हुआ। व्यापारियों की संस्था के रूप में कम्पनी ने अपनी सेवा में अंग्रेज़ युवकों को लिपिक के पद पर नियुक्त किया। ये ब्रिटिश युवक आम तौर से प्रबन्धकों द्वारा मनोनीत होते थे और कम्पनी के शेयर होल्डरों से रिश्तेदारी के आधार पर चुने जाते थे। उनकी उम्र 20 वर्ष से कम होती थी। उन्हें स्कूली शिक्षा या तो बिल्कुल मिली ही न हो या कम मिली होती थी। उनका वेतन भी बहुत कम होता था।

क़रार वाली सिविल सेवा- 1757 ई. में प्लासी के युद्ध के बाद जब कम्पनी के आधिपत्य में भारत का काफ़ी बड़ा क्षेत्र आ गया, तो उसने नवविजित क्षेत्रों का प्रशासन अपने इन लिपिकों के सुपुर्द कर दिया। इन नवनियुक्त अफ़सरों ने ज़बरदस्त भ्रष्टाचार और बेईमानी शुरू कर दी। अतः कम्पनी ने उनसे एक क़रार पर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसमें कम्पनी की सेवा ईमानदारी और सच्चाई के साथ करने का वचन मांगा गया था। इसी आधार पर अंग्रेज़ी में इस क़रारशुदा सेवा को कावेनेंटेड सिविल सर्विस (क़रार वाली सिविल सेवा) कहा जाने लगा। बंगाल में लॉर्ड क्लाइव के दूसरी बार के प्रशासनकाल में कम्पनी ने पहली बार अपने अफ़सरों को उक्त क़रार करने को बाध्य किया। अफ़सरों ने शुरू में तो इस नई व्यवस्था का विरोध किया किन्तु अंततः उन्हें झुकना पड़ा। लॉर्ड कार्नवालिस के प्रशासन काल में यह कावेनेंटेड सिविल सर्विस भारत में कम्पनी के प्रशासन तंत्र का एक नियमित अंग बन गई।

अंग्रेज़ों का एकाधिकार- लॉर्ड कार्नवालिस ने इस सेवा में सिर्फ़ अंग्रेज़ों को ही भर्ती किया और उनके वेतन भी बढ़ा दिये गये। कम्पनी के अंतर्गत सभी महत्त्वपूर्ण सिविल पदों पर अंग्रेज़ों की नियुक्ति होती और ज़िला कलेक्टरों, मजिस्ट्रेटों, जजों के पदों पर तो जैसे उनका एकाधिकार हो गया। बाद को जब विभागीय सचिवों और राजनयिक एजेंटों के पद चालू किये गये तो उन पर भी अंग्रेज़ों को ही नियुक्त किया गया। लॉर्ड वेलेजली ने कावेनेंटेड सिविल सर्विस के सदस्यों का बौद्धिक स्तर ऊँचा उठाने के लिए एक निश्चित अवधि तक उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की। इसके लिए उसने कलकत्ता में फ़ोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की। किन्तु 1805 ई. में यह कॉलेज बंद करना पड़ा, क्योंकि इस पर होने वाले ख़र्च पर कम्पनी ने ऐतराज़ किया। इसके बाद के पचास वर्षों में कावेनेंटेड सिविल सर्विस के रंगरूटों को लंदन के हेलेबरी कॉलेज में प्रशिक्षण दिया जाता रहा। इनमें से कुछ रंगरूट तो वास्तव में अत्यन्त योग्य और सफल प्रशासक सिद्ध हुए, किन्तु सामान्य तरीक़े से औसत सदस्यों में बहुत कमियाँ पाई जाती थीं, क्योंकि कावेनेंटेड सिविल सर्विस में कम्पनी के डायरेक्टरों द्वारा नामजद लोगों की भर्ती होती थी, जिन्हें योग्य प्रशासक बनने के लिए अपेक्षित शिक्षा बिल्कुल प्राप्त नहीं थी। फलतः स्वयं इंग्लैण्ड में ही यह मांग उठी कि सर्वोत्तम मेधावी ब्रिटिश युवकों को ही प्रशासक बनाकर भारत भेजा जाना चाहिए।

प्रतियोगिता माध्यम- अब 1853 ई. में कावेनेंटेड सिविल सर्विस में, जो अब भारतीय प्रशासनिक सेवा के नाम से पुकारी जाने लगी, प्रवेश सार्वजनिक प्रतियोगिता के माध्यम से सबके लिए खोल दिया गया। 1855 ई. में लंदन में बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल की देखरेख में पहली सार्वजनिक प्रतियोगिता हुई। सन् 1858 से यह प्रतियोगिता सिविल सर्विस कमिश्नरों की देखरेख में होने लगी। इस प्रकार भारतीय प्रशासनिक सेवा में सभी मेधावी ब्रिटिश युवकों के लिए प्रवेश का द्वार खुल गया। लेकिन चार्टर एक्ट, 1832 ई. और 1858 ई. में महारानी के घोषणापत्र के बावजूद भारतीय अब भी प्रवेश से वंचित रहे। 1864 ई. में पहली बार एक भारतीय (महाकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर के बड़े भाई सत्येन्द्रनाथ ठाकुर) लंदन में हुई भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) की प्रतियोगिता में सफल हुए और उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त किया। किन्तु भारतीय प्रशासनिक सेवा में भारतीयों का प्रवेश अत्यल्प रहा और 1876 में अधिकतम उम्र 23 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर देने से यह प्रवेश असम्भव नहीं तो और कठिन अवश्य बना दिया गया। इन्हें भी देखें- प्रतियोगिता परीक्षा

भारतीयों की माँग- बहरहाल इस समय तक भारत में पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार हो गया था, इसलिए भारतीय विश्वविद्यालयों के नये स्नातकों द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) में प्रवेश की अधिक सुविधाएँ माँगना स्वाभाविक था। भारतीयों ने यह माँग करना शुरू किया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश के लिए लंदन के साथ ही साथ भारत में भी एक प्रतियोगिता परीक्षा होनी चाहिए और प्रवेश की अधिकतम उम्र पहले की तरह 23 वर्ष कर दी जाए। बाद में इस माँग पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी ज़ोर दिया और शुरू के प्रायः सभी अधिवेशनों में इस माँग को दोहराया गया। लेकिन बराबर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा।

अंग्रेज़ों का पक्ष- 1878 ई. में भारतीय माँग को टालने के लिए एक नई सेवा आरम्भ की गई, जिसे स्टेट्यूटरी सिविल सर्विस का नाम दिया गया और इसमें भारतीयों को भर्ती किया गया। इस सेवा के लोग कम महत्त्ववाले कुछ ऊँचे पदों पर, विशेष रूप से न्यायिक पदों पर, नियुक्त किये गये और उन्हें एक से पदों पर कार्य करने के बावजूद भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के मुक़ाबले दो-तिहाई वेतन दिया जाता रहा। इसलिए इस सेवा से भी भारतीय माँग संतुष्ट नहीं हुई और 1885 ई. में इस सेवा को समाप्त कर दिया गया। उम्र की सीमा 1829 में बढ़ाकर 23 वर्ष कर दी गई, किन्तु भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) में प्रवेश के लिए भारत में भी प्रतियोगिता परीक्षा कराने की माँग 1922 ई. तक नहीं मानी गई। ब्रिटेन और भारत दोनों ही सरकारों का भरसक प्रयास अब भी यही रहा कि, भारतीय प्रशासनिक सेवा में बाहुल्य अंग्रेज़ों का ही बना रहे।

जरूरत पड़ी तो नीतिगत कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे, टैरिफ वार के बीच आरबीआई गवर्नर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ वार के बीच आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक तेजी से बदल रही वैश्विक परिस्थितियों पर नजर रखे हुए और वह जरूरत पड़ने पर नीतिगत कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजार अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं।

शुक्रवार को बाली में आयोजित 24वें एफआइएमएमडीए-पीडीएआइ वार्षिक सम्मेलन में मल्होत्रा ने कहा, तेजी से बदल रही वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए हम लगातार आर्थिक परिदृश्य की निगरानी और आकलन कर रहे हैं। हम हमेशा की तरह नीतिगत मोर्चे पर अपनी कार्रवाई में सक्रिय और तत्पर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि विकास दर और मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और मुद्रास्फीति भी सहनशील दायरे के भीतर है।

गवर्नर ने कहा कि इसके बावजूद वैश्विक अनिश्चितताएं और मौसम की गड़बड़ी मुद्रास्फीति के लिहाज से जोखिम पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा, भले ही हमने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.5 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है, लेकिन भारत अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। फिर भी यह हमारी उम्मीद से काफी कम है। हमने दो बार रेपो दरों में कटौती की है और पर्याप्त नकदी दी है।

भारतीय वित्तीय बाजारों के बारे में गवर्नर ने कहा कि विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार, सरकारी प्रतिभूतियां और मुद्रा बाजार सहित सभी बाजार खंड काफी हद तक स्थिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले रुपया थोड़ा दबाव में आया था, लेकिन उसके बाद इसका प्रदर्शन बेहतर रहा और इसने कुछ हद तक खोई हुई जमीन वापस पा ली।

मल्होत्रा ने कहा, आज, वित्तीय बाजार वैश्विक और घरेलू चुनौतियों, अभूतपूर्व अवसरों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के बीच परिवर्तन के मुहाने पर खड़े हैं। जब इस तरह के परिवर्तन होते हैं तो इसमें कई गतिशील हिस्से होते हैं, जिन्हें एक पहेली के टुकड़ों की तरह एक साथ आने की जरूरत होती है। साथ ही कई हितधारक होते हैं, जिनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस कंपनी में हो रहा था बड़ा खेल, अब सरकार करेगी जांच! 1126 से टूटकर 116 पर आ गया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्तीय गड़बड़ी के गंभीर आरोप के बाद जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर पिछले कई सेशंस से चर्चा में हैं। अब सोमवार को भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर इस साल अब तक 85त्न तक टूट गए और 772 रुपये से गिरकर 116 रुपये पर आ गए। वहीं, कंपनी के शेयर की कीमत एक साल पहले 1,126 के उच्च स्तर से घटकर 116 रुपये प्रति शेयर पर आ गई। इस बीच, अब खबर है कि कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय कथित तौर पर जेनसोल इंजीनियरिंग और इसकी संबंधित यूनिट ब्लूस्मार्ट के खिलाफ कॉर्पोरेट प्रशासन के उल्लंघन (जिसमें फंड डायवर्जन और पब्लिक सेक्टर के लोन का दुरुपयोग शामिल है)के खिलाफ औपचारिक जांच पर विचार कर रहा है।द इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जांच शुरू करने के बारे में फैसला एक पखवाड़े के भीतर होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि मंत्रालय पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कंटेंट की जांच कर रहा है, साथ ही कुछ ऐसी जानकारी भी जो उसे स्वतंत्र रूप से मिली है। ईटी रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इसका उद्देश्य यह आकलन करना है कि क्या प्रमोटर के फंड का दुरुपयोग निजी लाभ के लिए किया गया था।

इस कंपनी के हाथ लगा 454 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट, 1 साल में पैसा किया डबल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक साल पहले शेयर बाजार में लिस्ट हुई कंपनी तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड को लेकर अच्छी खबर आई है। कंपनी के हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड ने इसकी जानकारी शेयर बाजार में 19 अप्रैल को साझा किया। गोपीकॉन लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट के लिए सबसे ज्यादा बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। इस प्रोजेक्ट की कीमत 454 करोड़ रुपये है। कंपनी के पास 36 महीने का समय इस प्रोजेक्ट के लिए है। गुरुवार को एनएसई में कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत की तेजी के साथ 361.90 रुपये के लेवल पर था। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 150 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 13.90 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 774 रुपये और 52 वीक लो लेवल 123 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 434.27 करोड़ रुपये का है। तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड का आईपीओ 8 अप्रैल 2024 को ओपन हुआ था। कंपनी का आईपीओ 10 अप्रैल 2024 तक खुला था। कंपनी के आईपीओ का साइज 44.40 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 111 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड के शेयर इश्यू प्राइस से 3 गुना चढ़ चुका है। बता दें, तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड आईपीओ 75.54 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इस कंपनी का हेडक्वार्टर इंदौर में है। कंपनी की स्थापना 2019 में हुई थी। यह कंपनी रोड कंस्ट्रक्शन, वाटर डिस्ट्रीब्यूशन वर्क, पार्किंग कंस्ट्रक्शन काम करती है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 64.61 प्रतिशत थी। वहीं, पब्लिक के पास 35.37 प्रतिशत हिस्सा है।

शेयर बाजार की तूफानी तेजी रहेगी जारी या ट्रंप देंगे टेंशन? एक्सपर्ट्स क्या सोच रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजों, अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर घटनाक्रमों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख से तय होगी। एक्सपर्ट्स ने यह राय जताई है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निगाह रखेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च) अजित मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इसपर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर पर सोमवार को सभी की निगाह रहेगी। मार्च तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपये रहा है।

17 बोनस शेयर दे रही है कंपनी, 1 साल में दिया 1976% का रिटर्न, भाव 500 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उजास एनर्जी लिमिटेड ने बोनस शेयर का ऐलान किया है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 17 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। बोनस शेयर के लिए अभी रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया गया है। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि ये पूरी प्रक्रिया 2 महीने के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

एक्सचेंज को दी जानकारी में उजास एनर्जी लिमिटेड ने कहा है कि एक रुपये के फेस वैल्यू वाले 25 शेयरों पर 17 शेयर बोनस के तौर पर योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। अब निवेशकों को रिकॉर्ड डेट का इंतजार है। बता दें, अभी पिछले साल ही उजास एनर्जी लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी की तरफ से 2024 में 4 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर बांटा गया था।

गुरुवार को मार्केट के बंद होने के समय पर उजास एनर्जी लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत की तेजी के साथ बीएसई में 450.70 रुपये के लेवल पर थे। पिछले 2 हफ्तों में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 15 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, 6 महीने पहले इस स्टॉक को रिटर्न की उम्मीद में खरीदने वाले निवेशकों को अबतक 31 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 1976 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 699 रुपये और 52 वीक लो लेवल 22.79 रुपये है। उजास एनर्जी लिमिटेड का मार्केट कैप 4805.66 करोड़ रुपये का है। इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी मार्च तिमाही तक 93.79 प्रतिशत थी। वहीं, पब्लिक के पास कुल 6.21 प्रतिशत हिस्सा था।

15000त्न रिटर्न देने के बाद कंपनी डबल तोहफा देने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में जिन कंपनियों ने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया था उसमें Shilchar Technologies Limited भी एक है। कंपनी ने निवेशकों को डबल गिफ्ट देने की तैयारी कर ली है। इस मालामाल करने वाले स्टॉक की तरफ से डिविडेंड और बोनस शेयर का ऐलान कल हो सकता है। बता दें, कंपनी ने शेयर बाजार में 5 साल में 15000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न निवेशकों को दिया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में Shilchar Technologies Limited ने बताया है कि 21 अप्रैल को बोर्ड की मीटिंग है। इस मीटिंग के 4 बड़े एजेंडा है। पहला कंपनी मार्च तिमाही के नतीजों को घोषित करेगी। दूसरा एजेंडा बीते वित्त वर्ष के लिए फाइनल डिविडेंड पर फैसला होगा। तीसरा एजेंडा कंपनी की 39वीं एनुअल जनरल मीटिंग की तारीख पर फैसला किया जाएगा। वहीं, चौथा बड़ा एजेंडा बोनस शेयर के प्रस्ताव पर फैसला करना।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सिंगरौली में मुआवजा माफिया... यूक्रेन सहित कई राज्यों के लोगों ने बंधा गांव में बना लिए मकान

सीधी । मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित बंधा कोल ब्लाक फिर चर्चा में है। कलेक्टर ने कोल कंपनी की आपत्ति के बाद बंधा गांव में बने 3362 फर्जी घरों को अवैध घोषित कर दिया है। देवरी, पचौर, तेंदुहा और पिडरवाह गांवों में बनाए गए पांच हजार से अधिक घर अब प्रशासन की नजरों में आ गए हैं।

कोल ब्लाक के लिए 776 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इस जमीन पर बनी परिसंपत्तियों के लिए कुल 355.85 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि प्रस्तावित है। कलेक्टर ने 14 जून 2021 के बाद बने सभी निर्माणों को अवैध घोषित कर दिया है।मुआवजा पाने के लिए सक्रिय

उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि मुआवजे के लिए बंधा में सिंगरौली के अलावा मध्य प्रदेश के कई जिलों के लोग मकान बना रहे हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान जैसे प्रदेशों के लोग भी सिंगरौली में मुआवजा पाने के लिए सक्रिय रहे हैं।कथित तौर पर यूक्रेन के लोगों ने भी यहां घर बनाया है। बता दें कि कोल ब्लाक के लिए तेंदुहा, पिडरवाह, देवरी, पचौर और बंधा गांव की जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है। इस अधिग्रहण में 10 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो रहे हैं। यहां रहने वालों को विस्थापित किया जाना है। इसके लिए मुआवजे का वितरण भी होना है।

2021 में जारी हुई थी अधिसूचना

कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के मुताबिक, 14 जून 2021 को अधिसूचना जारी हुई थी, जिसमें बिड़ला ग्रुप के मेसर्स ईएमआइएल माइनिंग एंड मिनरल्स रिसोर्सेस लिमिटेड बंधा कोल ब्लाक के लिए तेंदुहा, पिडरवाह, देवरी, बंधा और पचौर की भूमि का परिसीमन आदेश हुआ।

23 दिसंबर 2021 को सर्वे के बाद आदेश जारी किया गया। स्थानीय लोगों ने यहां बाहरी लोगों को दलालों के माध्यम से भूखंड बेच दिए। प्रशासन ने गांव की जमीन के क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी।ऐसे चिह्नित किए गए फर्जी मकान

कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने बताया कि जमीन अधिग्रहण के समय कई बार गांव का सर्वे किया गया। पता चला कि गांव के बाहर के लोगों के नाम पर भी मकान हैं, जो दूसरे जिलों और प्रदेश के रहने वाले हैं। ड्रोन सर्वे कराया गया, जिससे ये वेरिफाई किया गया कि कितने मकान हैं जो पहले नहीं बने थे और मुआवजे के लिए बनाए गए। इसके अलावा गांव से चार हजार से अधिक आपत्तियां प्राप्त हुईं थीं। इसके निराकरण के लिए सर्वे कराया गया, जिसमें ये अवैध मकान चिह्नित किए गए। भू अर्जन अधिकारी रमेश तिवारी ने बताया कि जमीन का मुआवजा मिलेगा, लेकिन मकान के लिए मुआवजा नहीं मिलेगा।

बाइक से पांच वर्षीय बेटे के साथ जा रहा था चालक, टैंकर ने मारी टक्कर; दोनों की मौत

मालनपुर। मालनपुर से होकर निकले ग्वालियर-इटावा हाइवे क्रमांक 719 जोगी नगर की पुलिया के पास रविवार की सुबह हुए दर्दनाक हादसे में बाइक सवार पिता और पांच साल के बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। बाइक सवार मालनपुर से भिंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार 36 वर्षीय रोहित पुत्र हीरालाल आदिवासी निवासी मेहगांव और उनका पांच साल का बेटा आर्यन उर्फ चुन्ना रविवार की सुबह मालनपुर से मेहगांव की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान मालनपुर में मांडलेज कंपनी जोगी नहर के पास सुबह करीब 10.45 बजे सामने से आ रहे कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। बाप-बेटे की मौके पर मौत

टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में बाप-बेटे की मौत हो गई। गोहद अस्पताल में मृतकों का पीएम किया गया। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम मामले की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी का इलाज कराने पहुंचे 77 साल के बुजुर्ग को डॉक्टर ने घसीटकर पीटा

छतरपुर । मध्य प्रदेश में छतरपुर के जिला अस्पताल में मरीजों के साथ डॉक्टर की दबंगई कम होने का नाम नहीं ले रही है। मरीजों के साथ अब बुजुर्गों पर भी अपनी दबंगई दिखाने से डॉक्टर पीछे नहीं हट रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें 77 साल के बुजुर्ग मरीज को घसीटते हुए जिला अस्पताल से बाहर फेंक दिया गया।

जब लोगों ने इस घटनाक्रम का वीडियो बनाया तो वहां से मौजूद डॉक्टर भाग निकला। लोगों ने मांग की है कि ऐसी दबंगई करने वाले डॉक्टर के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। बुजुर्ग पत्नी का इलाज कराने पहुंचे थे। तभी बुजुर्ग को घसीट-घसीटकर मारा।बुजुर्ग को घसीटने वाला यह वीडियो बीते गुरुवार का बताया जा रहा है। इधर मामले को लेकर सिविल सर्जन जीएल अहिरवार से मीडिया ने बात की तो उन्होंने कहा कि हमने डॉक्टर को समझा दिया है कि बुजुर्गों को सबसे पहले देखना है।इस तरह के कृत्य को लेकर स्थानीय लोगों के बीच नाराजगी है और उनका कहना है कि डॉक्टर एक बुजुर्ग के साथ इस तरीके का व्यवहार करता है, तो उसके साथ समझाइश नहीं बल्कि कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले भी जिला अस्पताल में मरीजों के साथ मारपीट किए जाने के मामले सामने आ चुके हैं।

भोपाल में जालियों की आड़ में सरकारी जमीन पर बना ली थी मजारें

भोपाल । भोपाल शहर के 1250 शासकीय आवासीय परिसर में स्थित मजारों को जालियों की आड़ में बनाया गया था। जब इन जालियों को हटाया गया तो मजार सभी को दिखाई देने लगी। इसकी शिकायत पहले भी टीटी नगर एसडीएम से हो चुकी थी, लेकिन प्रशासन ने इसकी जांच तक नहीं कराई। यह क्षेत्र वार्ड 31 में आता है। यहां की भाजपा पार्षद बृजुला संचान जब भ्रमण करने आई थी तो उनकी नजर मजारों पर गई थी। रहवासियों से पूछताछ करने के बाद उन्होंने भी एसडीएम अर्चना रावत शर्मा को इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। भाजपा पार्षद बृजुला संचान ने बताया कि वह पिछले दिनों बांघबरी मंदिर क्षेत्र में प्रशासन के एक अभियान के तहत भ्रमण करने पहुंची थी।जालियां लगी हुई थी, जिन्हें हटाया गया तब मंदिर से पहले एक शासकीय आवासीय परिसर के पीछे खाली जगह पर मजारें दिखाई दीं। इस पर उन्होंने आवास में रहने वाले परिवार से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे कुछ दिन पहले ही रहने आए हैं। इससे पहले दूसरा परिवार यहां निवास करता था, तब जालियां लगी हुई थी, जिन्हें हटा दिया गया है।

बेटी ने जमीन अपने नाम कराई तो बेटे ने पिता के दाह संस्कार से किया इन्कार, 23 घंटे रखा रहा शव

टीकमगढ़/बल्देवगढ़। बेटी ने पिता से जमीन अपने नाम करवा ली। इससे खफा इकलौते बेटे ने पिता का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। बुर्जुग का शव 23 घंटे तक घर पर ही रखा रहा।

शनिवार को समाज, गांव के लोग और पुलिस ने बेटे को समझाया और स्टांप लिखवाकर दिया कि एक एकड़ जमीन उसके नाम की जाएगी। इसके बाद बेटे ने पिता का दाह संस्कार किया। मामला बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के तालमऊ गांव की हरिजन बस्ती का है।किसान सम्मान? निधि की राशि खाते में नहीं पहुंची

दरअसल, तालमऊ गांव में हरिजन बस्ती बदानपुरा मोहल्ला निवासी चिन्ना अहिरवार (65) की दो एकड़ जमीन की रजिस्ट्री उनकी बेटी सुनीता निवासी देवपुर ने अपने नाम करा ली थी, जिसका पता चिन्ना को तब चला, जब उसके खाते में किसान सम्मान निधि की राशि नहीं पहुंची।

आरोप है कि इससे वह सदमे में थे और इसके चलते पिछले 15 दिनों से बीमार रहने लगे। पिता के बीमार रहने की सूचना पाकर उसका पुत्र राजू अहिरवार (45) गांव आ गया, जो मजदूरी के लिए नागपुर में अपनी पत्नी और पुत्र-पुत्री के साथ रहता था।

जिसने पिता की जमीन ली, वो अंतिम संस्कार करे

बीमार रहने के दौरान ही शुक्रवार की शाम उसके पिता चिन्ना की मौत हो गई, तब गांव के लोग एकत्र हो गए, लेकिन राजू ने अपने पिता का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। शनिवार को राजू को मनाने का गांव के लोगों ने प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना और कहा कि जिसने पिता की जमीन ली, वह अंतिम संस्कार करें।

एक-एक एकड़ में बांटी जाएगी जमीन

बल्देवगढ़ थाना प्रभारी रवि गुप्ता ने बताया कि समाज और परिवार के लोगों ने बेटा राजू और बेटी सुमन को बैठाकर समझाया। इस दौरान तय हुआ कि पिता की दो एकड़ जमीन बेटा और बेटी के नाम एक-एक एकड़ बांटी जाएगी।

इस फैसले के बाद राजू अपने पिता का अंतिम संस्कार करने के लिए राजी हुआ और 23 घंटे बाद अंतिम संस्कार किया गया। जमीन बांटने की स्टांप पर लिखा-पढ़ी भी हुई है और सोमवार को ही जमीन उसके नाम करने की प्रक्रिया की जाएगी।

वॉयस एक्टर को एआई पॉवर्ड टूल्स और एप्स का ज्ञान ज़रूरी- हरीश भिमानी

इंदौर। एआई पॉवर्ड टूल और एप्स मनचाहे विषय पर लेखन कर सकते हैं। आपने जो कुछ लिखा है, उसकी ग़लतियों को सुधार सकते हैं। यहाँ तक कि वे आपके उच्चारण दोषों को दूर करने में मदद कर सकते हैं, बशर्ते आपको उनका उपयोग करना आता हो।

वॉयस एज ए करियर वर्कशॉप के दूसरे दिन प्रतिभागियों को यह अद्यतन जानकारी प्रख्यात वायस ओवर आर्टिस्ट हरीश भिमानी ने दी। उन्होंने कहा, 'आप जैसा बोलते हैं, विषय के बारे में कहते हैं, एआई संचालित एप्स आपके लिये वैसा ही काम करते हैं। अगर आप जल्दी-जल्दी कहेंगे, शब्द का सही उच्चारण नहीं करेंगे तो स्पीच टू टेक्सट के एप्स आपका मैटर सही तरीके से टाइप ही नहीं कर सकेंगे। सटीक जानकारी के लिये सटीकता से उपयोग करना भी आना चाहिये'।

हरीश जी की बातों का कार्यशाला में असर भी नजर आया। एक प्रतिभागी ने चैट जीपीटी

से लिखवाई गई कविता का वाचन हरीश जी के सामने ऑडिशन टेस्ट की तरह प्रस्तुत किया। इस टेस्ट के दौरान प्रेमचंद की रचनाएं भी पढ़ी गई और आकाशवाणी इंदौर के सेवानिवृत और मशहूर वॉयस एकटर संतोष जोशी के एक रिकॉर्डेड वॉयस ओवर को भी प्ले किया गया। हरीश जी ने शकील अखूतर के एक गीत, 'चलने का नाम था ज़िंदगी और हम चलते रहे' का पाठ किया। हरेक रचना पाठ के विषय में विस्तार से अपनी टिप्पणी दी और पढ़ते वक्त आवाज़ की गति, ठहराव, अभिव्यक्ति आदि के बारे में जानकारियां दी।

उन्होंने जावेद अखूतर के कविता संग्रह 'तरकश' की प्रस्तावना को बेहद रोचक ढंग से पढ़कर बताया।

स्टेट प्रेस क्लब के आयोजन की प्रशंसा- हरीश जी ने अंतिम सत्र में, वर्कशॉप के आयोजन के लिये स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'वॉयस आर्टिस्ट्री' का यह शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स मैं शकील अखूतर जी के सहयोग से ही तैयार कर सका हूँ। कोर्स की रूपरेखा तैयार करने को लेकर हम दोनों में बीते करीब ढाई महीनों से निरंतर चर्चा जारी थी। मैं समझता हूं, वॉयस एक्टिंग की दुनिया में करियर बनाने वालों के लिये एक बेहतरीन कोर्स बन गया है। आपको बता दें, प्रवीण कुमार खारीवाल और शकील अखूतर की परिकल्पना से 'लर्न विथ दि लेजेंड' नाम से व्यावहारिक प्रशिक्षण का यह नया ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इंदौर संभाग के बड़वानी में नेत्र शिविर 23 अप्रैल को

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग में मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन के लिये संभाग के दुरस्थ अंचलों में नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करने का सिलसिला जारी है। इस सिलसिले में 23 अप्रैल को संभाग के बड़वानी में विशाल नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में ग्रामीणों के नेत्रों का निःशुल्क परीक्षण विशेषज्ञ डॉक्टरों के माध्यम से किया जायेगा। शिविर में मोतियाबिंद से पीड़ित चिन्हित मरीजों का इंदौर के चोईथराम नेत्र चिकित्सालय में निःशुल्क ऑपरेशन कराया जायेगा। बड़वानी में यह शिविर ज़िला चिकित्सालय में होगा। यह शिविर लायंस क्लब बड़वानी और चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर के सहयोग से हो रहा है। उपरोक्त नेत्र शिविर में जिला अस्पताल के डॉक्टर और चोइथराम नेत्र चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा नेत्र मरीजों का परीक्षण किया जाएगा। मोतियाबिंद के मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण हेतु चोईथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर बस द्वारा भेज कर ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर का समय प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। मरीज़ों को अपना आधार कार्ड साथ में लेकर आना होगा। शिविर स्थल पर शुगर और ब्लड प्रेशर की जॉच भी निःशुल्क रहेगी। चोइथराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा मोतियाबिंद के मरीजों का ऑपरेशन कर निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण किए जाएंगे । दवाईयां, चश्मे के साथ-साथ भोजन की व्यवस्था भी निःशुल्क रहेगी। साथ ही शिविर वाले दिन लायंस क्लब बड़वानी द्वारा नेत्र मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था भी निःशुल्क रहेगी।

समाजसेवी जगदीशचंद्र शर्मा होंगे रामेश्वर पटेल अलंकरण से सम्मानित

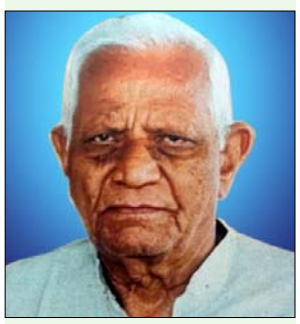

इंदौर। बचपन की दोस्ती की मिसाल कायम करते हुए एक प्रेरणादायक आयोजन होने जा रहा है। श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा समाजसेवी एवं वरिष्ठ शिक्षक जगदीशचंद्र शर्मा को रामेश्वर पटेल अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 1 मई 2025 को उनके 84वें जन्मदिवस के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

यह आयोजन पूर्व मंत्री रामेश्वर पटेल के पुत्र सत्यनारायण पटेल द्वारा अपने पिता के अभिन्न मित्र रहे जगदीशचंद्र शर्मा के सम्मान में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर पटेल परिवार के साथ-साथ उनके आत्मीय जन एवं मित्र भी सम्मिलित होंगे।

कार्यक्रम 1 मई को सांय 7 बजे, बिचौली मर्दाना स्थित सांईधाम मंदिर में भव्य रूप से सम्पन्न होगा, जिसमें मालवीय भोजन की भी व्यवस्था की गई है।

पीआईआईएफएफ, मंथन 2025 से इंदौर में सजेगा कला, सिनेमा और संस्कृति का भव्य मंच

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंदौर, 21 अप्रैल से 'प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025' और 24 से 26 अप्रैल तक 'मंथन 2025' का आयोजन कर रहा है। ये दोनों भव्य आयोजन न केवल कला, सिनेमा और संस्कृति का उत्सव हैं, बल्कि युवाओं की प्रतिभा को वैश्विक मंच देने का एक प्रेरणादायक प्रयास हैं।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए पीआईएमआर के ग्रुप डायरेक्टर डॉ एस एस भाकर, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के डायरेक्टर डॉ निशांत जोशी, पीआईएमआर यूजी के डॉयरेक्ट, कर्नल एस रमण अय्यर तथा जनसंचार विभाग की प्रमुख डॉ. निधि शर्मा ने कहा कि इस वर्ष का फिल्म फेस्टिवल जो कलाचित्र - वेयर आर्ट मीट्स सिनेमा के थीम पर आधारित है, के अंतर्गत प्रतिष्ठित पद्मश्री डॉ. एन. एन. जैन 48-आवर शॉर्ट फिल्म मेकिंग कॉम्पटीशन आयोजित होगा, जिसमें देशभर से 20 टीमें 48 घंटों में स्क्रिप्ट लेखन, शूटिंग और संपादन की चुनौती स्वीकार करेंगी। विजेताओं को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग, कहानी और निर्देशन श्रेणियों में पुरस्कृत किया जाएगा। 21 अप्रैल को ओपन एयर थिएटर में फिल्म प्रदर्शन और 22 अप्रैल को समापन समारोह के दौरान प्रेस्टीज फोटोग्राफी क्लब का शुभारंभ और विशिष्ट कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा।

उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण हब के रूप में उभरा मध्यप्रदेश

किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी उद्यानिकी फसलें

इंदौर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में जिस गति से मध्यप्रदेश ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनाई है, उससे प्रदेश की उद्यानिकी फसलों के प्रति देश और विदेशों में खासी मांग भी बढ़ रही है। इससे प्रदेश के किसानों को आर्थिक संबल भी मिल रहा है। मध्यप्रदेश उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मुख्य हब बन कर उभरा है। गत फरवरी माह में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों से उद्यानिकी क्षेत्र में 4 हजार करोड़ रूपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश के उद्यानिकी क्षेत्री में हुए नवाचारों और बड़े पैमाने पर हो रहे उत्पादन को दर्शाता हैं।

मध्यप्रदेश में गत 5 वर्षों में उद्यानिकी के रकबा में 23.72 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2019-20 में उद्यानिकी फसलों का रकबा 21.75 लाख लाख हेक्टेयर था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 26.91 लाख हैक्टेयर हो गया है। मध्यप्रदेश में गत 20 वर्षों में छोटे के साथ बड़ी कृषि-जोत रखने वाले किसान भाइयों ने कैश-क्रॉप के रूप में उद्यानिकी फसलों को लेना शुरू कर दिया है इस कारण उद्यानिकी फसलों (फल, सब्जी, मसाला पुष्प एवं औषधियों) का रकबा 4 लाख 67 हजार हैक्टेयर से 27 लाख 71 हजार हैक्टेयर यानिकी लगभग 500 प्रतिशत की तथा उत्पादन 35 लाख 40 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर 417 लाख 89 हजार मीट्रिक टन हो गया। इस तरह उत्पादन में 1000 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मुख्य हब बन रहा है। मध्यप्रदेश की जलवायु उद्यानिकी फसलों के लिये अनुकूल होने के साथ सिंचाई सुविधाएँ भी अन्य राज्यों से बेहतर है।

बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिये दिया जायेगा 50 लाख रुपये तक का ऋण

इंदौर। जिले के रोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना चलायी जा रही है। इस योजना के तहत स्वरोजगार स्थापना के लिये 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु सामान्य वर्ग ,अल्पसंख्यक वर्ग,पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं से ऑन लाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। योजना के तहत आवेदन करने के लिये न्यूनतम कक्षा 8 वीं उत्तीर्ण तथा उम्र 18 वर्ष से 45 वर्ष होना आवश्यक है। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिये। योजना के अंतर्गत उद्योग हेतु 50 हजार रुपये से 50 लाख रुपये तक का ऋण दिया जायेगा। इसी तरह सेवा एवं खुदरा व्यवसाय हेतु 50 हजार रुपये से 25 लाख रुपये तक का ऋण मिलेगा। योजना में बैंक ब्याज दर पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान तथा CGTMSE ग्यारंटी फीस शत-प्रतिशत अधिकतम 7 वर्षों तक दी जाएगी। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में लाभ लेने हेतु एम. पी. ऑन लाइन के माध्यम से वेबसाइट https://samast.mponline.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है। अनिवार्य दस्तावेज न्यूनतम 8 वीं अंकसूची, जाति प्रमाण-पत्र (पिछड़ा वर्ग हेतु), मूल निवासी प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड (मोबाईल नंबर लिंक हो), पेन कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, आय प्रमाण-पत्र (वार्षिक 12 लाख से कम), कोटेशन के साथ ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने नागरिक और जन प्रतिनिधि जुड़ें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चल रहे तीन माह अवधि के जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और उनकी देखरेख के कार्यों में नागरिकों की भागीदारी और जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर अच्छे परिणाम सामने लाएं। शासन स्तर पर अभियान की निरंतर समीक्षा की जा रही है और डैश बोर्ड पर ग्राम एवं नगर स्तर के कार्यों को दर्ज करने का कार्य भी किया जा रहा है। श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में अभियान की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 1.06 लाख जल दूत तैयार किए गए हैं, जो जल स्त्रोतों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिलों में देखेंगे कार्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, वन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास विभागों सहित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्तर पर अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार- 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

इंदौर। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार-2025 के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार-2025 के लिए विमर्श पोर्टल पर 15 मई 2025 तक शिक्षको से सीधे ऑन-लाइन आवेदन एवं नामांकन आमंत्रित किये गये हैं। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से प्राप्त ऑन-लाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया एवं चयन के मापदण्ड संबंधित पत्र जिले के सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग खरगोन एवं समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयकों को उनके विकास खण्ड के शिक्षकों को अवगत कराने के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। जिन शिक्षकों द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन व नामांकन किया जाएगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पंचक्रोशी यात्रा में यातायात व्यवस्था निम्नानुसार रहेगी

उज्जैन। पंचक्रोशी यात्रा 23 अप्रैल 2025 से 27 अप्रैल यात्रा का मार्ग - श्रद्धालुगण नागचंद्रेश्वर मंदिर पटनी बाजार से बल प्राप्त कर यात्रा प्रारंभ कर लखेरवाडी से होते हुए छत्रीचौक, सराफा, कंठाल चौराहा, निजातपुरा, कोयला फाटक चौराहा, उद्योगपुरी, ढांचा भवन, होटल नक्षत्र के सामने, उण्डासा, पिंग्लेश्वर, श्री सिंथेटिक चौराहा, धतरावदा, लालपुर, सेफी नाका चौराहा, शक्करवासा, शनि मंदिर, महावीर तपोभूमि चौराहा, राघौपिपलिया, करोहन, गोंदिया, तालोद, बंबोरा, नलवा चौपाटी, अंबोदिया, नईखेडी, आजमपुरा, सोढंग नाका चौराहा, के.डी.पैलेस, जैथल, आगर रोड पुराना टोलटेक्स, उण्डासा होते हुए पुनः होटल नक्षत्र के सामने से ढांचा भवन, उद्योगपुरी, कोयला फाटक चौराहा, निजातपुरा, कंठाल चौराहा, सराफा, छत्री चौक, नागचंद्रेश्वर मंदिर पर बल वापस कर रामघाट पर स्नान पश्चात यात्रा समाप्त करेंगे।

डायवर्सन दिनांक 21 अप्रैल से ही श्रद्धालुगण यात्रा मार्ग में यात्रा करने लगते है अतः पंचक्रोशी यात्रा

मार्ग में निम्नानुसार डायवर्सन रहेगा।

1. जो भारी वाहन एवं अन्य वाहन आगरनाका से मण्डीगेट, पांण्ड्याखेड़ी होकर देवास और इन्दौर की ओर जाना चाहते है वो आगरनाका से उन्हेलनाका साडू माता की बावडी से वाय-पास होकर आस्था गार्डन, त्पोभूमि होकर जा सकेगें। इस मार्ग से इन्दौर, देवास से आगर की ओर जा सकेगें।

2. जो वाहन देवास से नरवर, नागझिरी होकर उज्जैन की ओर जाना चाहते है वो वाय-पास से त्पोभूमि, प्रशांति धाम चौराहा होकर उज्जैन के लिये जा सकेगें।

3. पंचक्रोशी यात्रा रूद्धाक्ष होटल शनि मंदिर से त्पोभूमि टर्निंग तक रॉग साइड से जायेगी इसलिये जो यातायात इन्दौर से उज्जैन की ओर जायेगा उसे त्पोभूमि से प्रशांति धाम चौराहा तक रॉग साइड से भेजा जायेगा और इसी मार्ग से प्रशांति धाम से इन्दौर की ओर जाने वाला यातायात भेजा जायेगा। इसलिये वाहन चालक सावधानी पूर्वक वाहन चलायें।

4. पंचक्रोशी यात्रा में जैथल से यात्रा क्रास करेगी इसलिये आगर से आने वाले यातायात को जैथल क्रांसिंग से रॉग साइड उज्जैन की ओर भेजा जायेगा इसी मार्ग से उज्जैन से आगर की ओर जाने वाला यातायात भी गुजरेगा।

5. देवास तरफ से आने वाले भारी वाहन जो बड़नगर बदनावर की ओर जाना चाहते है वो भारी वाहन सीधे बदनावर फोर लेन से होकर जायेगें।

मुख्य क्रांसिंग पाईटः-

सम्पूर्ण पंचक्रोशी यात्रा निम्नानुसार मुख्य पाईट पर सड़क क्रास करेगी ।

1. कोयला फाटक चौराहा
2. सांदीपनी स्कूल
3. श्रीसिंथेटिक्स चौराहा
4. शैफी चौराहा
5. त्पोभूमि चौराहा
6. नलवा
7. सोडंग
8. जैथल

वाहन चालकों से अपील है कि दिनांक 21 अप्रैल 2025 से 27 अप्रैल 2025 तक उपरोक्त पाईटों से गुजरते समय सावधानी रखे तथा धीमी गति से वाहन चलायें।

सोहबत का असर हो रहा है-डॉ. विजय सुखवानी

उज्जैन। बेटी का ब्याह हो गया, हो रही विदा, रोका बहुत खुद को अधीर हो गया प्रबोध मिश्र हितैषी बड़वानी से आकर ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी में अपने गीतों की मिठास घोलते रहे। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में डॉ. विजय सुखवानी ने ग़ज़ल पढ़ी सोहबत का असर हो रहा है, हर गाँव हर शहर हो रहा है...।

भारतीय रेल में अपनी सेवाएं दे रहे शैलेश मिश्र ने जज़्बा ही जीत का आधार है, मन के हारे हार है... कविता पढ़ी तो उनकी सुपुत्री आरोही ने भी कविता पाठ किया। डॉ. आर.पी. तिवारी ने नदी की विशेषताओं को कुछ इस तरह कांवता में बाँधा कि सभी वाह कह उठे, मैंने रोज़ ही देखा है नदिया को चुपचाप बहते, पर कभी नहीं सुना है, किसी से कुछ कहते...।

आज की गोष्ठी में एक और अतिथि पूर्व लोकायुक्त मीना भट्ट सम्मिलित हुईं उन्होंने ग़ज़ल मेरे इस दिल पर किसी हुस्न का कब्ज़ा न समझ, ग़म से बेज़ार हूँ जुल्फों में उलझा न समझ... पढ़ी। व्ही. एस. गहलोत साकित ने अश्कों की दास्ताँ मेरे यार सुनो, दर्द देता है ग़मगुसार सुनो... पढ़ी। सत्यनारायण सत्येन्द्र ने क्षणिका दिन पर दिन, रात पर रात बीतती जाती, हम भ्रम पाले सब कुछ भुलाते जाते... सुनाई तो डॉ. अखिलेश चौरे ने छोटी सी ज़िन्दगी की दास्ताँ बड़ी रही, ग़म साथ ही रहे ख़ुशी अलग खड़ी रही... ग़ज़ल सुनाई।

प्रफुल्ल शुक्ला ने एक साथी एक हमदम उसे ढूँढू कहाँ, मैं भटकता रहा राही बनकर ढूंढता सारा जहाँ... कविता पढ़ी। आशीष अश्क ने ग़ज़ल अब नहीं मिलते हैं छूने को चरण, रंज ये होता है पापा हर सहर में... पढ़ी। गोष्ठी में दिलीप जैन, अशोक रक्ताले, विनोद काबरा एवं रामदास मेढ़ेकर समर्थ ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। आभार ज्ञापन अक्षय चवरे द्वारा किया गया।

गर्मी में राहगीरों को पानी पिलाकर की जल मंदिर की शुरुआत

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, युवा मंडल एवं महिला मंडल के संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर के नेतृत्व में रविवार को पिपलीनाका स्थित सरकारी अस्पताल के सामने तपती हुई गर्मी में जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि मुख्य अतिथि सुभाष सोनी, रजनी सोनी, भगवान शर्मा, विशिष्ट अतिथि किशोर कुमार भाटी, मिलिंद देवड़ा एवं लीलाधर भाटी के नेतृत्व में जल मंदिर का शुभारंभ किया गया।

अर्जी वाले हनुमान पर गूंजी सुंदरकांड की चौपाईयां

उज्जैन। बड़नगर रोड़ स्थित मोहनपुरा में अर्जी वाले हनुमान मंदिर पर भव्य सुंदरकांड का आयोजन हुआ। भजन कीर्तन, नृत्य के साथ संगीतमय सुंदरकांड संपन्न हुआ। महाआरती के साथ महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया।

वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंदपुरीजी पुरीजी महाराज के सानिध्य में टीना बेन पटेल लंदन परिवार द्वारा सुंदरकांड का आयोजन किया गया। स्वामीजी ने कहा कि अब प्रति शनिवार अर्जी वाले हनुमान पर दोपहर 2 बजे से सुंदरकांड का आयोजन होग। शाम 7 बजे पूर्णाहुति, महआरती के साथ ही महाप्रसादी का आयोजन होगा। प्रति शनिवार को होगा।

महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंदपुरीजी पुरीजी महाराज के अनुसार विगत दिनों अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरीजी महाराज द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में पक्के निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया था। जिसके बाद से निर्माण कार्य प्रारंभ हो गए हैं, अर्जी वाले हनुमान पर 50 कमरों का महाकाल भक्त निवास, 50 कमरों का हरसिध्दि भक्त निवास एवं 50 कमरों का गणेश भक्त निवास जल्द ही अपना आकार लेगा। अर्जी वाले हनुमान मंदिर परिसर में महामृत्युंजय भगवान भी विराजे हैं, जहां महामृत्युंजय के जाप देश विदेश के भक्तों द्वारा कराये जा रहे हैं। महारूद्राभिषेक, महालक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन भी प्रतिदिन होता है। वेदपाठी विद्यार्थियों के लिए अर्जी वाले हनुमान में गुरूकुल चल रहा है। अब हर शनिवार संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन होगा जो भक्त भजन, कीर्तन, नृत्य के साथ संगीतमय सुंदरकांड कराना चाहते हैं वह अर्जी वाले हनुमान मंदिर कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

सुप्रसिद्व पार्श्वगायिका साधना सरगम ने किया श्री जी हवेली मारवाड़ी रिटोरेंट का शुभारंभ

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में हर रोज लाखों की संख्या में श्रद्धालु महाकाल मंदिर के दर्शन करने के लिए आते हैं जिनकी सुविधाओं को देखते हुए उज्जैन को एक और नई श्री जी हवेली मारवाड़ी रिटोरेंट की सौगात मिली है। मुंबई से उज्जैन आई सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका साधना सरगम का महाकाल चौराहे पर ज्योतिष आचार्य श्रीमती नंदनी जोशी द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

उज्जैन आगमन पर साधना सरगम ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। होटल संचालक मीनाक्षी ललित वासु ने जानकारी देते हुए बताया कि महाकाल दर्शन के बाद सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका साधना सरगम ने शहर के महाकाल चौराहा स्थल पर स्थित श्री जी हवेली मारवाड़ी नामक भव्य रिटायरेंट का फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुंबई से विशेष रूप से पधारीं साधना सरगम ने इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महाकाल की इस पावन नगरी में आकर उन्हें अद्भुत शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने ÷श्री जी हवेली मारवाड़ी के स्वादिष्ट भोजन की भी जमकर तारीफ की और कहा कि यहां का खाना न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मां अन्नपूर्णा और लक्ष्मी मां का आशीर्वाद भी समाहित है। उन्होंने विश्वास जताया कि शहरवासी इस भोजन का आनंद उठाएंगे और यह रिटोरेंट खूब तरक्की करेगा। इसी दौरान मुंबई से आई साधना सरगम का रेस्टोरेंट संचालक द्वारा महाकाल की तस्वीर एवं प्रसाद देकर सम्मानित किया।

रिटोरेंट की मुख्य संचालिका मीनाक्षी ने साधना सरगम के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यहां आना उनके लिए बहुत ही सम्मान की बात है। उन्होंने शहरवासियों से निवेदन किया कि वे श्री जी हवेली मारवाड़ी आएं और यहां की उत्कृष्ट भोजन व्यवस्था का लाभ उठाएं। इस रिटोरेंट की एक खास बात यह है कि यहां सभी की पसंद का ध्यान रखा गया है। यहां जैन समाज और मारवाड़ी समाज के लोगों के लिए विशेष रूप से बिना लहसुन प्याज का सात्विक भोजन भी उपलब्ध है। यह भोजन साक्षात प्रभु महाकाल के आशीर्वाद से परिपूर्ण है, जिसे ग्रहण कर हर कोई धन्य महसूस करेगा। इस भव्य शुभारंभ के अवसर पर लोगों में भारी उत्साह देखा गया। सभी श्री जी हवेली मारवाड़ी के स्वादिष्ट व्यंजनों का अनुभव करने के लिए उत्सुक दिखे। इस मौके पर ज्योतिष आचार्य श्रीमती नंदनी जोशी, अंजली शर्मा, दीपा वासवानी, गरिमा बोहरा, विजयलक्ष्मी आदि लोग उपस्थित थे।

महाराष्ट्रीयन सारस्वत ब्राह्मण समाज न्यास का हुआ वार्षिक स्नेह सम्मेलन

उज्जैन। महाराष्ट्रीयन सारस्वत ब्राह्मण समाज न्यास उज्जैन द्वारा 20 अप्रैल रविवार को वार्षिक स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें चैत्र गौरी हल्दी कंकू, वरिष्ठ सदस्य सम्मान, विद्यार्थी सत्कार, विशेष उपलब्धी सत्कार समारोह आयोजित किया गया। साथ ही वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया।

मिलिंद पन्हालकर के अनुसार महाकाल सिंधी कॉलोनी स्थित महाराष्ट्रीयन सारस्वत ब्राह्मण समाज न्यास भवन में मेधावी विद्यार्थी अक्षदा वर्धे, कनिष्का कवठेकर, विशेष उपलब्धि सम्मान ध्रुव अनिल केकरे, वरिष्ठ सदस्य सम्मान दिगंबर वेंगुर्लेकर, दिलीप केकरे, शरद केकरे, सुषमा शशिकांत किल्लेदार को प्रदान किया गया। सभी को श्रीकांत मांजरेकर, सुधीर वेंगुर्लेकर, मिलिंद पन्हालकर, उल्लास मांजरेकर, धर्मेन्द्र किल्लेदार द्वारा सम्मानित किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com